>

Title: Need to accord status of special State to Rajasthan.

डॉ. किरोड़ी लाल मीणा (दौसा) : महोदय, राजस्थान की विषम भौगोलिक, सामाजिक एवं आर्थिक स्थिति को देखते हुए विशेष राज्य का दर्जा दिए जाने की मांग लम्बे समय से उठ रही है। भूभाग की दृष्टि से राजस्थान देश का सबसे बड़ा राज्य है, 12 जिले मरूस्थलीय (60 प्रतिशत रेगिस्तान) हैं, 12.6 प्रतिशत आदिवासी आबादी है। विशेष भौगोलिक स्थिति के कारण सड़क, बिजली, पानी, शिक्षा, स्वास्थ्य एवं संचार सेवाएं पहुंचाना बहुत महंगा पड़ता है।

पिछले 60 वर्ष में 55 वर्ष अकाल पड़ा है। 70 प्रतिशत किसान मानसून की अनिश्चितता का दंश झेलते रहते हैं। राज्य का भूभाग देश के कुल भूभाग का 10.41 प्रतिशत है जबकि पानी की उपलब्धता मात्र 1 प्रतिशत है। राज्य के 237 विकास खण्डों में से 207 विकास खण्डों में पानी का स्तर काफी नीचे चला गया है। राज्य में देश के कुल जल का सर्वाधिक 13.7औ दोहन है जनसंख्या राष्ट्रीय औसत से ज्यादा है। संचार साधन बहुत कम हैं। पाकिस्तान से लगी 1040 किमी लम्बी सीमा पर भारी खर्च होता है। उसके कारण कृषि, खनन उद्योग एवं व्यापारिक गतिविधि प्रायः नगण्य सी हैं। आवासहीन घुमक्कड़ गाडियां लोहार समुदाय की भारी तादाद है। श्रमिकों की संख्या बहुत ज्यादा है किन्तु रोजगार नहीं है। इस प्रकार विषम भौगोलिक परिस्थितियों एवं बुनियादी सुविधाओं की अधिक लागत के मद्देनजर राजस्थान राज्य को विशेष दर्जा दिया जाये।

-